

- c. प्र praef. सम् procreare, gignere. MAN. 10. 33. — Pass. nasci. MAH. 3. 12978.: तदा 'हम् सम्प्रसूयामि गृहेषु शुभकर्मणाम् (c. term. PAR. v. gr. 493.).
2. सू 6. P. In dial. Véd. incitare, excitare (? vid. Westerg. et r. सूद्). RIGV. V. 40. 1. 66. 4.: यद् अथ देवः सुवाति. — Vid. सूद्.
3. सू f. (r. 1. सू) parens, partum edens, in fin. comp. R. Schl. II. 51. 15.: वीरसू.
- सूकर m. (e सू quod a sono dictum esse videtur, et कर faciens, v. चौत्कार, चुक्कार) sus. (Cf. anglo-sax. *suga* porca, germ. vet. *sú* id., nostrum *Sau*, lat. *sus*, gr. *σῦς*, *ŭs*.)
- सूक्ष्म subtilis, tenuis, parvus, minutus. H. 3. 14. SU. 3. 16.
- सूक्ष्मत्व n. (a praec. s. त्व) subtilitas. BH. 13. 15.
- सूच् 10. P. (fortasse e वच् correpto in उच्, praef. सु) prodere, patefacere, indicare. RAGH. 17. 50.: मन्त्रः ... गुप्तद्वारो न सूच्यते (schol. प्रकाशयते); UR. 6. 32.: मन्दाकुसुमदाम्ना गुरुर अस्याः सूच्यते हृदयकम्पः (cf. 6. 8.); H. 1. 3.: विज्ञाय निशि पन्थानम् नक्षत्रगणसूचितम्; N. 5. 26. 17. 9.: सूचित.
- c. अभि i. q. simpl. N. 23. 18.: कर्म चेष्टाभिसूचितम् (sic nunc separaverim, ita ut significet *negotium*, i. e. *rem*, *actionibus patefactum*; cf. 18. a.: पुण्यश्लोकस्य चेष्टितम्.)
- c. सम् id. HIT. 124. 72.
- सूचक (r. सूच् s. अक) patefaciens, palam faciens. UR. 2. *infr.*
- सूचि f. (correptum e सूचो q. v.) acus.
- सूची f. (fem. *τῶ* सूच a सिव् correpto in सू, suff. *undd.* च) acus.
- सूचीभेद्य (e praec. et भेद्य) 1) acu perforandus. 2) densus, spissus, de tenebris. HIT. 98. 22.: सूचीभेद्ये तमसि.
- सूत m. auriga. N. 9. 23.
- सूतत्व n. (a praec. s. त्व) aurigatio. N. 22. 12.
- सूद् 1. A. et 10. vel Caus. P. (ut mihi videtur, e सादय, Caus. r. सद्, debilitato आ in ऊ, ita ut proprie significet facere ut quis eat, inde in dial. Véd. incitare, ex-

- citare, et facere ut qu. sidat, pereat, inde occidere) occidere, necare. MAH. 3. 11505.: सूदयिष्यामि राक्षसम्; 1. 2833.: सूदयन् विविधान् मृगान्. In dial. Véd. incitare, excitare. RIGV. 71. 8. 73. 8.; v. Westerg. s. r. सू (Lett. *saudét* delere, evertere, vid. Pott 1. 249.)
- c. अभि Caus. vel cl. 10. occidere. R. Schl. I. 27. 19.
- c. नि निसूदयामि (servato primitivo सू) id. MAH. 1. 1339.
- c. नि praef. वि विनिसूदयामि id. MAH. 3. 8814.
- c. नि praef. सम् सन्निसूदयामि id. MAH. 3. 8742.
- सूद् m. coquus. MAH. 3. 1007.
- सूदन m. (r. सूद् s. अन) occisor in fine compos. SU. 3. 28. N. 12. 126.
- सूना f. instrumentum necandi. MAN. 3. 68.
- सूनु (r. 1. सू s. नु) 1) m. filius. UR. 91. 4. 2) f. filia. HEM. (Goth. *sunus* filius; germ. vet. *sunu*, germ. med. *sun*, nostrum *Sohn*; lith. *sunù-s*, slav. *syn*.)
- सूत्र n. (r. सिव् correpto इव् in ऊ, s. त्र) filum.
- सूत्रधार m. (e praec. et धार) 1) faber tignarius. HIT. 49. 12. 2) princeps histrionum. UR. 1. 6.
- सूनृत (ut videtur, e सु productâ vocali et नृत a r. नृत s. अ) comis, blandus. HIT. 19. 8. SAK. 16. 15.: वाक् सून्ता.
- सूर 4. A. i. q. 1. शूर.
- सूर m. (ut videtur, a स्वर्र primitivâ formâ radicis सुर splendere, correpto व् in ऊ, suff. अ) sol. (Fortasse goth. *sunna* m. sol, Them. *sunnan*, per assimil. e *sunnan*, *sunno(n)* f. e *sunno(n)*, germ. vet. *sunno(n)* m., *sunna(n)* f.; fortasse lith. *saule* f. per metath. e *swalē*, de graec. *ἥλιος* et goth. *sauil* vid. सूर्य, de lat. *sol* vid. स्वर्र.)
- सूर्न 1. P. (अनादरे) vilipendere, despiciere.
- सूर्त्य 1. P. (ईर्ष्यार्थे x. ईर्ष्ये r.) invidere.
- सूर्य m. (correptum esse videtur e स्वर्य vel स्वार्य, a स्वर्र coelum, nisi a primitivâ formâ radicis सुर splendere, vel a सुर्र producto उ, suff. य) sol. IN. 1. 32. (Gr. *ἥλιος* niti videtur formâ स्वार्य, mutato र्र in λ, et ejecto F, sicut